an>

title: Need to take steps for the welfare of child labour in the country.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : अध्यक्ष महोदया, ईश्वर की श्रेष्ठतम कृति की एक भी इकाई यदि बाल श्रमिकों जैसे अभिशाप से अभिशप्त रही, तो ध्यान रहे कि हम भविष्य की कई स्वर्णिम संभावनाओं को तो खो ही रहे हैं, साथ ही राष्ट्र की मुख्यधारा से विमुख कई समस्याओं को पाल रहे हैं जो परिवार, समाज व राष्ट्र के लिए सर्वथा हानिकारक हैं।...(व्यवधान)

महोदया, मैं सीधी संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूं। मेरे सीधी जिले के एनजीओ व जन अभियान परिषद के सर्वेक्षण के अनुसार लगभग तीन हजार बाल श्रमिक हैं किंतु इन आंकड़ों को नकार कर प्रशासन एक भी बाल श्रमिक की मौजूदगी स्वीकार करने में असमर्थ हो रहा है।...(व्यवधान) सिर्फ सीधी क्षेत्र ही नहीं, बल्कि देश के अन्य जगहों पर ऐसी स्थितियां विराजमान होंगी।...(व्यवधान) मैं चाहती हूं कि इन विकृतियों को खुले मन से स्वीकार करने की आवश्यकता है और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। मैं पूरे मन से यह भी कहना चाहती हूं कि बाल श्रमिकों की इस शृंखला में विराम लगना चाहिए और उनके उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पर्याप्त प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।...(व्यवधान)

महोदया, बाल श्रम स्कूलों के माध्यम से बाल श्रमिकों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा को स्किड एजुकेशन में परिवर्तित किया जाए और उन्हें उनके रुचिकर भविष्य के निर्माण में सहायता दी जाए।...(व्यवधान) बाल श्रम स्कूलों को व्यावहारिक धरातल पर प्रभावी मजबूत परिणामकारी करने की आवश्यकता है। मैं आपके माध्यम से सदन से एक गंभीर आवेदन और निवेदन करना चाहती हूं कि भारतवर्ष के कोने-कोने में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और सड़कों पर कूड़ा-करकट के ढेर में कबाड़ आदि का बीनते हुए झुंड के झुंड में ये बालक दिखाई देते हैं और यह कार्य करने के लिए अभिशप्त हैं।...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से पुनः आग्रह करूंगी कि भारत सरकार और प्रशासन बाल श्रमिकों की मौजूदगी और उनकी दुखद स्थितियों को साहस के साथ स्वीकार कर इस दिशा में आगे क़दम बढ़ाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्रीमती रीती पाठक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Jitendra Chaudhury – Not present.

...(*Interruptions*)